Council for Advocacy and Policy Research

RPSC SURVEY

REPORT

2026

www.caprajasthan.org

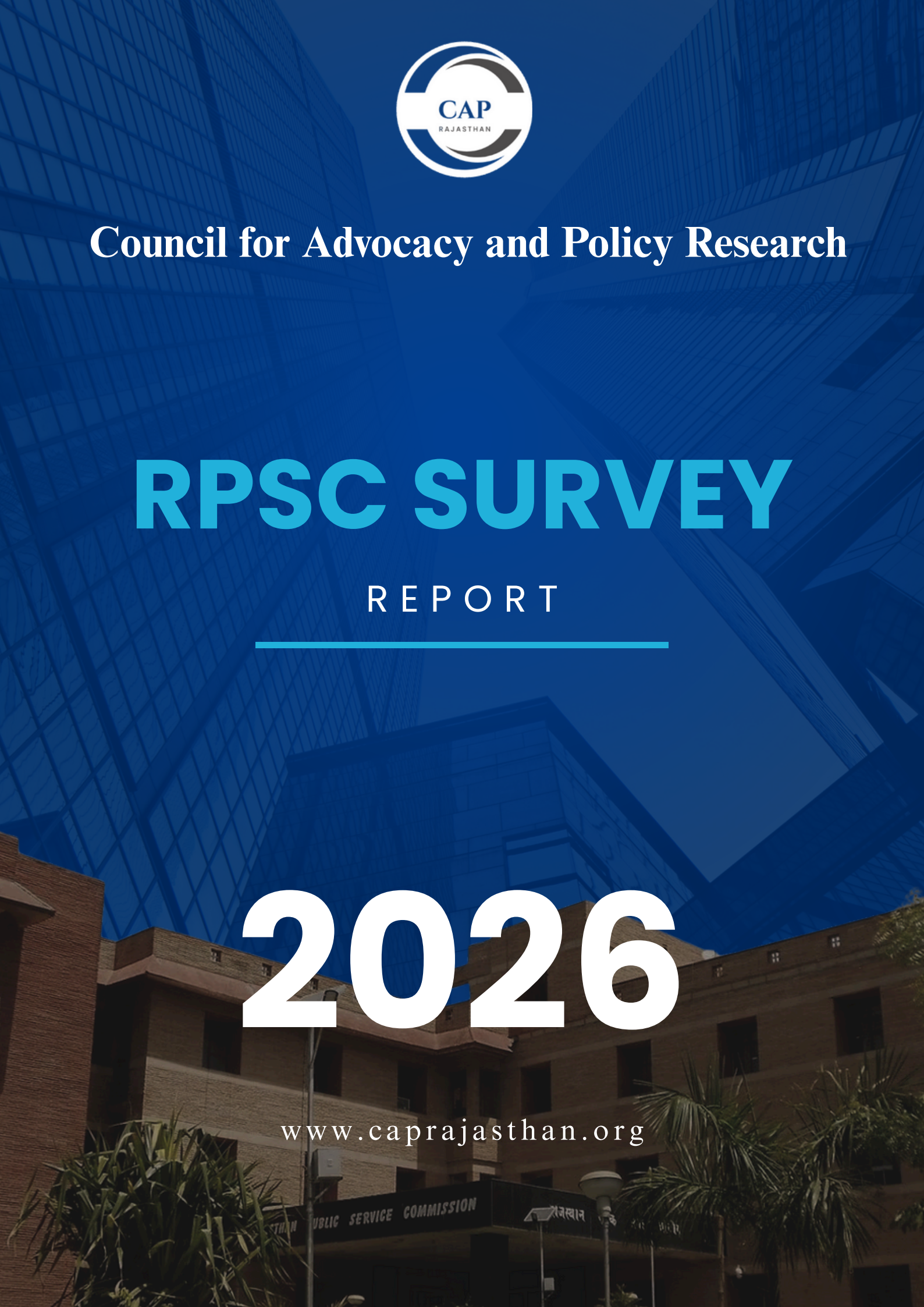

WELCOME TO CAP RAJASTHAN

Public opinion is the foundation of democracy, as it guides decision-making, ensures accountability, and reflects the collective voice of the people.

CAP Rajasthan
Council for Advocacy and Policy Research

Council for Advocacy and Policy Research is a registered organisation that empowers scholars across Rajasthan to voice their ideas, foster inclusive discussions, and help shape the state's public narrative.

Directors

Public opinion is not merely a media-driven phenomenon. Academicians also should play a crucial role in providing evidence-based insights, critical analysis, and ethical perspectives that deepen public understanding and inform meaningful policy discourse.

Vishnu Rankawat
Founder & Director

I am sure that this CAP Survey on RPSC Help policy makers to improve the overall functioning of the RPSC and make it more accountable to aspirants.

Murli Manohar Dadhich
Director & Head, Survey Team

Public opinion transforms feedback into policy, helping ensure that decisions are transparent, accountable, and aligned with the real experiences of stakeholders.

Gaurav
Director

Key Contributors

Nagesh Yuva
Ph.D. scholar at
Maharaja Surajmal Brij University, Bharatpur.

Radhika Jangir
Phd Scholar, Banasthali Vidyapith, Tonk

Ramnaresh
Master's Student, IIPS Mumbai

Key Contributors

Bhanvar Singh Meena
PhD at University of Delhi, New Delhi

Arushi Vaishnav
Master's degree in Political Science

Divyansh Saxena
Ph.D. Scholar at
Mohanlal Sukhadia University, Udaipur.

Pratibha Kumari
Phd Scholar at Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University, Sikar

Findings

क्या आपको लगता है कि RPSC की परीक्षा प्रणाली अभ्यर्थियों में विश्लेषणात्मक सोच को बढ़ावा देती है या रटकर याद करने पर निर्भर करती है?"

विकल्प	प्रतिशत (%)
विश्लेषणात्मक सोच	31.05
रटने पर निर्भर	38.89
संतुलन	26.79
निश्चित नहीं	3.27

Highlights

- सबसे ज़्यादा लगभग 38.89% अभ्यर्थियों का स्पष्ट मत है कि RPSC की परीक्षा प्रणाली मुख्यतः रटने पर निर्भर है। यह सबसे बड़ा समूह है, जो परीक्षा की बौद्धिक गुणवत्ता और नवाचार क्षमता पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है।

आप RPSC के सिलेबस (पाठ्यक्रम) के डिजाइन को कैसे देखते हैं?

विकल्प	प्रतिशत (%)
प्रत्येक परीक्षा के अनुसार बहुत अच्छा और केंद्रित होता है	27.18%
कुछ हद तक परीक्षा-उन्मुख होता है, लेकिन इसका बड़ा हिस्सा अधिकांश परीक्षाओं के लिए समान रहता है	43.94%
पुराना है और परीक्षा की आवश्यकताओं से मेल नहीं खाता	21.62%
निश्चित नहीं हूँ	7.24%

Highlights

- लगभग 43.94% अभ्यर्थियों का मानना है कि पाठ्यक्रम परीक्षा-अनुसार स्पष्ट रूप से निर्धारित नहीं होता, बल्कि अधिकांश परीक्षाओं के लिए लगभग समान ही रहता है। यह स्थिति विभिन्न परीक्षाओं के आयोजन की प्रासंगिकता और उद्देश्य पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

- लगभग 21.62% अभ्यर्थी पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता को लेकर असंतोष या स्पष्टता के अभाव को दर्शाते हैं, जो पाठ्यक्रम सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

आपकी नज़र में RPSC की परीक्षा प्रक्रिया (जैसे प्रश्नपत्र निर्माण, मूल्यांकन, परिणाम) कितनी पारदर्शी (Transparent) है?

विकल्प	प्रतिशत (%)
पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह	11.31%
अधिकतर पारदर्शी, कुछ छोटी कमियाँ	36.81%
आंशिक रूप से अपारदर्शी	21.93%
ज़्यादातर अपारदर्शी	18.45%
बिल्कुल भी पारदर्शी नहीं है	11.51%

Highlights

- कुल मिलाकर, लगभग 52% अभ्यर्थी किसी न किसी स्तर पर परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर असंतुष्ट हैं, जो प्रणाली की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़ा करता है।

- केवल 11.31% अभ्यर्थी ही परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह मानते हैं, जो यह स्पष्ट करता है कि प्रणाली पर पूर्ण विश्वास रखने वालों की संख्या अत्यंत सीमित है।

क्या आपको लगता है कि RPSC का साक्षात्कार (Interview) प्रक्रिया निष्पक्ष (Fair) है?

विकल्प	प्रतिशत (%)
बिल्कुल भी पारदर्शी नहीं है	25.20%
ज़्यादातर अपारदर्शी	21.70%
आंशिक रूप से अपारदर्शी	21.70%
अधिकतर पारदर्शी, कुछ कमियाँ	19.70%
पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह	11.70%

Highlights

- केवल 11.70% अभ्यर्थी ही साक्षात्कार (Interview) की प्रक्रिया को निष्पक्ष (Fair) मानते हैं, जो यह स्पष्ट करता है कि प्रणाली पर पूर्ण विश्वास रखने वालों की संख्या अत्यंत सीमित है।

- 68.60% अभ्यर्थी किसी न किसी स्तर पर साक्षात्कार प्रक्रिया को अपारदर्शी या अनिष्पक्ष मानते हैं, जो व्यापक संस्थागत सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

आपको RPSC संस्था से संबंधित किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ा है? (सभी चुनें जो लागू हों)

समस्या	प्रतिशत (%)
परीक्षा में देरी या बार-बार स्थगन	41.42%
प्रश्नपत्र लीक होना या पुनः परीक्षा	24.36%
परिणाम जारी करने में देरी	12.58%
उत्तरकुंजी में त्रुटियाँ	4.16%
आवेदन या परीक्षा केंद्र में तकनीकी दिक्कतें	1.42%
सिलेबस बहुत बड़ा होना	16.04%

Highlights

- परीक्षा में देरी या बार-बार स्थगन (41.42%) सबसे अधिक रिपोर्ट की गई समस्या है, जिसका अभ्यर्थियों की मानसिक स्थिति, आर्थिक संसाधनों और करियर योजना पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

- इसके बाद 24.36% के साथ पेपर लीक दूसरी सबसे बड़ी समस्या के रूप में सामने आती है, जिसका सामना अभ्यर्थियों को करना पड़ता है।

RPSC के परिणाम जारी करने की प्रक्रिया को आप गति (Speed) और निष्पक्षता (Fairness) के हिसाब से कैसे देखते हैं?

विकल्प	प्रतिशत (%)
परिणाम समय पर आते हैं और पूरी तरह निष्पक्ष हैं	9.23
परिणाम निष्पक्ष होते हैं, पर देर से आते हैं	19.35
परिणाम समय पर आते हैं, पर निष्पक्षता पर सवाल हैं	14.68
परिणाम देर से आते हैं और पारदर्शिता की कमी रहती है	48.81
निश्चित नहीं हूँ / कोई राय नहीं	7.24

Highlights

- लगभग 63.49% अभ्यर्थी, परिणाम प्रक्रिया को लेकर देरी, पारदर्शिता और निष्पक्षता के संदर्भ में असंतोष हैं।
- केवल 9.23% अभ्यर्थी परिणाम प्रक्रिया को पूर्ण रूप से निष्पक्ष मानते हैं।

क्या आपको लगता है कि RPSC द्वारा लागू किया गया सख्त ड्रेस कोड (Dress Code) नकल या अनुचित तरीकों को रोकने में मदद करता है?

विकल्प	प्रतिशत
हाँ, यह नकल रोकने में प्रभावी है।	22.32
कुछ हद तक मदद करता है, लेकिन बहुत अधिक नहीं।	37.3
नहीं, इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता।	18.35
यह अधिक असुविधा पैदा करता है, लेकिन परीक्षा की ईमानदारी नहीं बढ़ाता।	20.13
निश्चित नहीं हूँ / कोई राय नहीं।	1.88

Highlights

- लगभग 40 % अभ्यर्थी ड्रेस कोड को लेकर असंतोष या संदेह व्यक्त करते हैं।
- लगभग 22.32% अभ्यर्थी यह मानते हैं कि ड्रेस कोड पूरी तरह से नकल और अनुचित तरीकों को नियंत्रित करने में सहायक है।

क्या RPSC परीक्षा में हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में प्रश्न बिना अनुवाद की गलती के दिए जाते हैं?

विकल्प	प्रतिशत (%)
अनुवाद सही	45.54%
अनुवाद ग़लत	42.46%
निश्चित नहीं	12%

Highlights

- लगभग 42.46% अभ्यर्थी प्रश्न पत्रों के अनुवाद को **त्रुटिपूर्ण**' मानते हैं।
- **अनुवाद-त्रुटियाँ हिंदी-माध्यम अभ्यर्थियों** के अवसरों को क्षति पहुँचा सकती हैं, जिससे प्रतियोगी परीक्षा की **merit-based nature** प्रभावित होती है।

RPSC परीक्षाओं में पेपर लीक या परिणामों में देरी जैसी घटनाएँ आपके उत्साह और करियर योजनाओं पर क्या असर डालती हैं?

विकल्प	प्रतिशत (%)
इससे तनाव या चिंता बढ़ जाती है	61.9%
मेरी तैयारी करने की प्रेरणा बहुत कम हो जाती है	24.9%
अब मैं केंद्र सरकार या अन्य परीक्षाओं पर ध्यान दे रहा हूँ	4.7%
मैंने RPSC परीक्षाओं की तैयारी छोड़ दी है	4.7%
इससे कोई खास असर नहीं पड़ा	3.9%

Highlights

- आंकड़ों का विश्लेषण करने पर यह संकेत मिलता है कि सबसे प्रमुख नकारात्मक प्रभाव **“तनाव या चिंता बढ़ना (मनोवैज्ञानिक तनाव)** है.
- लगभग दो-तिहाई अभ्यर्थी (61.9%) बताते हैं कि पेपर लीक और परिणामों में देरी जैसी घटनाएँ **तनाव और चिंता** को बढ़ाती हैं।

COUNCIL FOR ADVOCACY AND POLICY RESEARCH

Thank You

We conduct regular public opinion surveys on issues of public importance and seek the support of fellow scholars to continue and strengthen this work.

All suggestions and academic contributions are most welcome. For more information, please visit our website or write to us at contact@caprajasthan.org.

Thanks to All Participants

We sincerely thank all the participants who took part in this survey.

Your time, thoughtful responses, and honest opinions have been invaluable in helping us understand public perspectives and strengthen evidence-based research.

Your contribution plays a vital role in shaping informed academic and policy discussions.

Follow Us

https://www.linkedin.com/company/cap-rajasthan/

@caprajasthan

caprajasthan